अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–203 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 22 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र ने जीती प्रतियोगिता

लखनऊ। मूट कोर्ट सोसाइटी, नारायण स्कूल ऑफ लॉ, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमूहर, बिहार ने दूसरी देव मंगल मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र ने जीता श्रेष्ठ मेमोरियल। दूसरी देव मंगल मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमूहर, बिहार के द्वारा राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजित कराया गया। दूसरी देव मंगल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय की दूसरा वर्ष की छात्र आयुषी द्विवेदी , रिया मिश्रा और नीलांश पाठक ने प्राप्त किया। छात्र को पटना के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसएन झा द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान में प्रोत्साहन राशि भी दी गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्रों को बधाई दी एवं विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बी.डी. सिंह ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया एवं अन्य छात्रों को सीख लेने को कहा। इस मौके पर ए डी आर समिति के शिक्षक समन्वयक प्रोफेसर हरिश्चंद्र राम, प्रोफेसर विनीता काचर, एडीआर समिति संयोजक अंकित राय भी उपस्थित रहे।

4 बच्चों की करंट से मौत, पिता ने खाया जहर,गंभीर हालत में किया गया रेफर

उन्नाव। जिले में 2 दिन पहले करंट से एक 4 बच्चों की मौत हो गई थी। बच्चों की मौत के सदमे में डूबे पिता ने आज जहर खाकर जान देने की कोशिश की। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पूरा मामला बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमन खेड़ा का है। सोमवार की शाम को पुलिस प्रशासन के मौजूदगी में बक्सर घाट पर चारों बच्चों का अंतिम संस्कार कराया गया था। आज मृतक बच्चों के पिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर निगल लिया है। आनन–फानन उसे सीएचसी बीघापुर में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। लालमन खेड़ा गांव के रहने वाले वीरेंद्र कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद के चार बच्चे मयंक (9), हिमांशी (8), हिमांक (6), मानसी (4) कि घर में रखें पंखे में करंट उतरने से मौत हो गई थी। बीते सोमवार की शाम परिजनों की मौजूदगी में बक्सर घाट पर चारों बच्चों को दफन कराया गया।

आज मंगलवार की दोपहर पिता वीरेंद्र कुमार ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। आनन फानन उसे उपचार के लिए बीघापुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है वीरेंद्र की हालत गंभीर है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। बच्चों की मौत के बाद उसे गांव का हर व्यक्ति मायूस है और अंतिम संस्कार में गांव के लोग भी रो पड़े थे। लेकिन आज पिता ने जहर खाया तो तमाम तरह की चर्चा चल रही है। परिजनों का कहना है कि बच्चों की मौत के बाद से वह सदमे में हैं, जिसके चलते ये कदम उठा लिया।

यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का जन्मदिन आज, मुख्यमंत्री योगी सहित कई नेताओं ने ट्वीट कर दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ व सुयश पूर्ण जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर राज्यपाल को दिये गये अपने शुभकामना संदेश में कहा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ व सुयश पूर्ण जीवन की प्राप्ति हो, प्रभु श्री राम से यही प्रार्थना है। जानकारी के मुताबिक, 'एक्स पर अपने संदेश में राज्य के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा सरल व सौम्य व्यक्तित्व की धनी, गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त करने वाली, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम जी से प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स पर कहा गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त करने वाली, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आनंदीबेन पटेल 29 जुलाई 2019 से उत्तर प्रदेश राज्य की राज्यपाल हैं। वह मध्य प्रदेश की राज्यपाल तथा गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। पटेल का जन्म 21 नवंबर 1941 को गुजरात के मेहसाणा जिले में एक पाटीदार परिवार में हुआ था और उनके पिता जेठा भाई पटेल एक गांधीवादी नेता थे।

नहीं कटेगी बिजली, टैक्स भी मामूली

योगी का फरमान, प्लास्टिक मुक्त होगा मथुरा

टैक्स वसूलने वाली प्राइवेट कंपनी पर रहेगी पैनी नजर

लखनऊ। सीएम योगी ने धार्मिक स्थलों से न्यूनतम टैक्स वसूलने का आदेश दिया है। दो दिन पहले मथुरा दौरे पर गए सीएम ने आश्रमों पर लगाए आठ से दस लाख रुपये तक के वाटर और हाउस टैक्स को नाममात्र का कर देने का आदेश दिया।उन्होंने टेक्सटाइल उद्योग के लिए भी कहा कि इनका बिजली कनेक्शन किसी सूरत में न काटें। टीटीजेड, एनजीटी और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के आदेश मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजे जाएं। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित दौरे के तहत निरीक्षण के दौरान ये निर्देश दिए। उन्होंने मथुरा को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कहा।सीएम 23 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने मथुरा पहुंचे थे। उन्होंने ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में अधिकारियों संग बैठक की और कहा कि मथुरा में गंदगी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। रास्ते पूरी तरह साफ होने

चाहिए। उन्होंने जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने का भी निर्देश दिया और कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्त कार्रवाई की जाए। मथुरा के नगर आयुक्त को निर्देश दिये कि कूड़े का डोर टू डोर कलेक्शन को और प्रभावी किया जाए। रास्तों पर कूड़ा नहीं होना चाहिए। कहीं भी कूड़ा जलना नहीं चाहिए और कूड़ा कलेक्शन करते हुए डम्पिंग ग्राउंड पर पहुंचाकर उसका निस्तारण किया जाना चाहिए। जरूरत पड़े वहां आउटसोर्स से कर्मचारियों को नियुक्त करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया जाए। वॉल पेन्टिंग समय से कराई जाए। निराश्रित गोवंशों का व्यवस्थित रूप से प्रबंधन करें।सीएम ने सख्त निर्देश दिया कि जो प्राइवेट कम्पनी टैक्स वसूलने की कार्रवाई करती हैं, उन पर पैनी नजर बनाए रखें। कार्यों की समय–समय पर जांच करें। ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे प्राइवेट कम्पनी लोगों का उत्पीड़न न कर सकें तथा वह अपनी मनमानी न चला सकें। इसके अलावा उन्होंने लटके तारों को हटवाने का भी निर्देश दिया। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिया कि सड़कों को गढ्ढामुक्त किया जाये, पैचवर्क का कार्य किया जाये, कोई सड़क टूटी न हो तथा कहीं गंदगी न हो।

जनप्रतिनिधियों के सुझाए मार्गो पर बसों का संचालन कराये -दयाशंकर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहा कि निगम सड़क परिवहन सेवा देने वाला जनोपयोगी सेवा संस्थान है। अर्थव्यवस्था में सुधार तेजी से होता विकास, नवीन सड़कों का निर्माण व बदलते परिदृश्य में नागरिकों की गतिशीलता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसी के दृष्टिगत निगम के सम्मुख नवीन क्षेत्रों में उपस्थिति दर्ज कराने सहित सेवा विस्तार करने के प्रचुर अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। निगम के व्यवसाय का अपेक्षित विस्तार दिया जाना है। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवीन अवसरों का लाभ उठाते हुए निगम की स्थिति व हित सुदृढ़ करें। परिवहन मंत्री ने कहा कि जन–प्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों का संज्ञान लें। जन–प्रतिनिधियों के स्तर से मुख्यालय में बस सेवाओं के संचालन विषयक प्राप्त होने वाले सर्वाधिक मांग पत्र सहारनपुर, मेरठ गाजियाबाद, झांसी, चित्रकूटधाम, देवीपाटन, आजमगढ़ व हरदोई क्षेत्रों से आये हैं। उन क्षेत्रों में यदि बस का संचालन नहीं है तो संचालन प्रारम्भ कराएं अथवा संचालन विगत कुछ वर्षों से किसी कारणवश बन्द हो गया है तो उसे पुनः जांचोपरान्त शुरू कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि प्रत्येक नगर, उपनगर, गाँव से विभिन्न नगरों को परिवहन सेवा से जोड़ने हेतु कदम उठाएं, जिससे कि अधिक से अधिक लोगों तक परिवहन सेवा पहुंचाया जा सके। परिवहन सेवा बहाल करने से निगम द्वारा संचित यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि होगी। विभिन्न नागरिकों व जन–प्रतिनिधियों द्वारा बस सेवा उपलब्ध कराने के अनुरोध पर तत्काल विचार करें, यह स्वागत योग्य अवसर व कार्य है। परिवहन मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में प्रबंध निदेशक ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि संचालित सेवाओं को प्रधान प्रबन्धक संचालन की पूर्व अनुमति के बिना बन्द न किया जाय। उन्होंने नवसंचालित सेवा के प्रतिफलों की दैनिक समीक्षा प्रथम एक माह तक सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वारा किये जाने के निर्देश दिये। मार्ग की चेकिंग, ट्रैफिक सर्वे कर बस सेवा को सफल तथा लाभकारी बनाने हेतु प्रत्येक सम्भव उपाय पर कार्य किया जाय। यह आवश्यक है कि हमारी मनोवृत्ति, ग्राम्य एवं कस्बाई संचालन को सफल बनाकर निरापद रूप से सेवा देने की होनी चाहिए। सम्बन्धित मार्ग पर संचालित फेरों की संख्या में प्रस्थान समय उपलब्ध यातायात के परिमाण के अनुरूप पर्याप्त एवं सधान होना अनिवार्य है, ताकि सम्बन्धित मार्ग के यात्री परिवहन निगम की सेवा से भिन्न किसी सेवा का आश्रय न ले अथवा ऐसा करने की बाध्यता उनके सम्मुख उत्पन्न न हो।

"सहकारी समितियों हेतु इज ऑफ डूइंग बिजनेस एवं उभरते क्षेत्र" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका : शाही

अन्न भण्डारण योजना: पायलट प्रोजेक्ट हेतु प्रति जिला 5 पैक्स का चयन-राठौर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि व आईसीसीएमआरटी के संयुक्त तत्वावधान में 70वाँ सहकारिता सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में आज चौधरी चरण सिंह सहकारिता भवन सभागार लखनऊ में "सहकारी समितियों हेतु इज ऑफ डूइंग बिजनेस व्यवसाय करने में आसानी एवं उभरते क्षेत्र" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया

गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि विगत 6–7 वर्षो से सहकारी क्षेत्र में देश एवं प्रदेश में हो रहे बदलावों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए केन्द्र सरकार की गम्भीरता एवं सहकारी क्षेत्र में हुई प्रगति एवं सम्भावनाओं का उल्लेख करते हुए सहकारिता को विशेष प्रबन्धन, सक्रियता, संवेदनशीलता एवं नये विस्तृत क्षेत्रों से जोड़कर बढ़ाये जाने पर विशेष बल देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहकारी समितियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। ऐसी समितियों को भी प्रोत्साहित करने हेतु सदन का ध्यान आकृष्ट किया जो अलग–अलग क्षेत्रों में महिलाओं, पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों एवं अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के आर्थिक उत्थान में अच्छा कार्य कर रही हैं। श्री शाही ने कहा कि 01 सितम्बर को बी–पैक्स सदस्यता महाअभियान को प्रारम्भ किया गया, जिसमें 30 लाख सदस्य बने। अभियान के दौरान संचित कुल अंश धन शेयर कैपिटल 69.24 करोड़ रुपये हुआ। सबसे ज्यादा सदस्यता ग्रहण कराने वाला शाहजहाँपुर रहा। उन्होंने कहा कि आने वाला समय सहकारिता का है। जैविक खेती, जल जीवन मिशन के कार्य व अन्य विविध कार्य सहकारिता के माध्यम से किए जाएंगे। सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर द्वारा सर्वप्रथम विगत वर्षों से किये जा रहे सहकारिता सप्ताह के आयोजनों की एकरूपता को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष के आयोजनों को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने के कारणों को रेंखाकित करते हुए सहकारिता को जन–जन तक पहुँचाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने तथा सहकारिता में प्रबन्धकीय निपुणता लाने हेतु कार्य किये जाने की अपनी मंशा से अवगत कराया। साथ ही साथ प्रदेश में संचालित सदस्यता अभियान की उपलब्धियों एवं दृष्टिगत हो रहे बदलावों से भी अवगत कराया। सहकारी क्षेत्र में विधिक बदलावों, कम्प्यूटराइजेशन एवं अन्य नवीन योजनाओं के सम्बन्ध में भी अवगत कराया तथा देश में यूपी को अग्रणी राज्य बनाये रखने पर विशेष ध्यान आकृष्ट कराया।श्री राठौर ने कहा कि देश के सभी पैक्स द्वारा नए मॉडल बॉइलॉज को अपनाया गया। उत्तर प्रदेश मॉडल बॉइलॉज को अंगीकृत करने वाला देश का प्रथम राज्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी सहकारी समितियों के डेटा को संगृहीत करके उसका सत्यापन प्रमाणीकरण करने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। पैक्स का कम्प्यूटरीकरण करने में भी देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पैक्स द्वारा पीएम किसान समृद्धि केन्द्र का संचालन, प्रत्येक जिले में 5 पैक्स सहकारी समितियों द्वारा प्रधामंत्री जन औषधि केन्द्र का संचालन, पैक्स द्वारा सीसी–2,खुली श्रेणी में पेट्रोल,डीजल खुदरा पम्पों के लिए आवेदन, सभी अनाच्छादित पंचायतों,गांवों में दो लाख नई बहु–उद्देशीय पैक्स,डेयरी,मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की जा रही है।श्री राठौर ने बताया कि इसी प्रकार विश्व की सबसे बड़ी अन्न भण्डारण योजना के पायलट प्रोजेक्ट हेतु प्रति जिला 5 पैक्स का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि नई भारतीय बीज सहकारी समिति में देश के हर राज्य,जिले की सहकारी समितियों को सदस्य बनाना, नई राष्ट्रीय सहकारी जैविक समिति में देश के राज्यधजिले की सहकारी समितियों को सदस्य बनाना, नई राष्ट्रीय सहकारी निर्यात समिति में देश के हर राज्य जिले की सहकारी समितियों को सदस्य बनाना, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण पाइप लाइन जलापूर्ति के लिए प्रति जिला 5 पैक्स का चयन आदि का कार्य किया जा रहा है।कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक के सभापति संतराज यादव द्वारा की गयी। कार्यक्रम के दौरान सभापति द्वारा आये अतिथियों का स्वागत किया गया एवं प्रदेश के सहकारिता विभाग द्वारा 01 सितम्बर से 30 सितम्बर तक संचालित सदस्यता अभियान के दौरान हुई उपलब्धियों बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0 द्वारा विगत वर्ष में हुई उपलब्धियों को भी बताया।प्रमुख सचिव सहकारिता बी एल मीणा द्वारा राज्य के सहकारिता विभाग द्वारा केन्द्र की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति के संदर्भ में उपस्थित अतिथियों को अवगत कराया गया तथा प्राथमिक समितियों द्वारा 'सहकार से समृद्वि' के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यक्रमों को अवगत कराया।कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में डा उमाकान्तदास, निदेशक इरमा, अहमदाबाद व डा बालू केनचप्पा क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, किसान की दर्दनाक मौत

हरदोई। जिले में मार्ग दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। दरअसल एक किसान बाइक से जा रहा था तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे जख्मी होकर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिंदगी की रफ्तार के बीच सड़क हादसों में घायलों व मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। तेज गति, यातायात नियमों की अनदेखी, सड़कों पर गड्ढे हादसों का कारण है। लखनऊ हरदोई हाईवे मार्ग पर कोतवाली कछौना के अंतर्गत ग्राम पुरा निवासी 48 वर्षीय किसान नरेश पुत्र गोविंद उम्र 48 वर्ष घर से मोटरसाइकिल से कछौना खेत में सिंचाई के लिए डीजल लेने आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना दी, परिजन घायल को निजी हॉस्टल ले आए, जहां पर डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर लखनऊ रिफर कर दिया। रास्ते में घायल की मौत हो गई। इस घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। मृतक के चार बच्चे हैं। मृतक कृषि कार्य कर परिवार का भरण पोषण करता था। इस घटना से परिवार के सामने भरण पोषण का संकट खड़ा हो गया है। रोड सेफ्टी के लिए सरकार द्वारा प्रभावी कदम न उठाए जाने के कारण नाबालिको द्वारा ड्राइविंग करना, तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाना, छुट्टा जानवर, ओवरलोड, सड़कों की जर्जर हालत व गड्ढे बिना हेलमेट आदि अहम कारणों से प्रतिदिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है।

राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यशाला आज

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण देकर सरकारी व गैर–सरकारी लोगों की कार्यक्षमता बढ़ाने व दक्षता संवर्धन का कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार के सहयोग से 22 नवम्बर को विधिक साक्षरता द्वारा लिंग संवेदनशीलता एवं महिला सशक्तिकरण पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम विषयक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन ग्राम्य विकास संस्थान में किया जा रहा है। इस कार्यशाला द्वारा सम्बन्धित हितग्राही महिलाओं को विधिक साक्षरता के अन्तर्गत ज्ञानवर्धन व जागरूकता से सम्बंधित विभिन्न विषयों,भारतीय समाज में लिंग भेदभाव एवं पितृसत्तात्मकता ,पारिवारिक कानून में महिलाओं के दाम्पत्यिक अधिकार,गरीबों व अक्षम लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना ,राष्ट्रीय महिला आयोग– उद्देश्य एवं संस्थागत ढांचा , कार्य एवं शक्तियां, शिकायत निवारण तन्त्र , महिला स्वयं सहायता समूह की भूमिका एवं इसके लाभ तथा महिला सशक्तिकरण हेतु राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं एवं कार्यक्रम, पर राष्ट्रीय राज्य स्तरीय विषय विशेषज्ञों के माध्यम से महिलाओं को विधिक साक्षरता द्वारा जागरूक करने हेतु, पैनल डिस्कशन के रूप में भी, सकारात्मक एवं उपयोगी विषयगत वार्ता प्रदान की जायेगी। यह जानकारी राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के अपर निदेशक बीडी चौधरी द्वारा एक सूचना में दी गयी है।श्री चौधरी ने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यशाला का उद्घाट्न मुख्य अतिथि सुश्री मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार द्वारा, विशिष्ट अतिथियों एवं प्रबुद्ध वार्ताकारों की उपस्थिति में किया जायेगा।

संकल्प यात्रा के दौरान स्कूली बच्चे निकालेंगे प्रभातफेरी, नुक्कड़ नाटक से करेंगे जागरूक

हरदोइ। आज विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में एसपी वशिष्ठ, अधिशासी निदेशक, नेशनल मिशन ऑन क्लीन गंगा भारत सरकार की अध्यक्षता में वृहद समीक्षा बैठक आयोजित हुई। नोडल अधिकारी ने कहा कि भारत संकल्प यात्रा के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्पों के माध्यम से निःशुल्क हेल्थ चेक अप होंगे और समाज कल्याण विभाग द्वारा पेंशन व अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाये जाएंगें और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराने के साथ लोगों को नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूक किया जाए।उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा के दौरान शिक्षा विभाग के स्कूली बच्चों द्वारा प्रभातफेरी निकाली जाएगी और क्विज प्रतियोगिताओं के साथ निपुण उत्सव का आयोजन किया जाएगा। निपुण बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया जाए। व्यक्तिगत शौचालयों व सामुदायिक शौचालयों की क्रियाशीलता पर जोर दिया जाए। सहकारिता विभाग द्वारा नए सदस्य बनाये जाएं। नैनो यूरिया का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा गोदभराई और अन्नप्राशन के कार्यक्रम कराए जाएं। कन्या सुमंगला योजना आदि के बारे में लोगों से संवाद किया जाए। बैंक से रोजगारपरक योजनाओं के लिए ऋण प्राप्त करने वाले उद्यमियों व व्यवसायियों को सम्मानित किया जाए। नोडल अधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर लोगों को जागरूक किया जाए और कार्यक्रम स्थल पर ईकेवाईसी का कार्य कराया जाए। पशुपालन विभाग द्वारा गाँव में टीकाकरण कराया जाए। पशुपालन से संबंधित योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जाए। पूर्ति विभाग द्वारा अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों से संवाद किया जाए। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कराया जाए। कार्यक्रम स्थल पर मिशन शक्ति का स्टॉल लगाया जाए और महिलाओं को उनके अधिकारों को लेकर जागरूक किया जाए। सभी समितियां अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। दायित्वों के लिए रिजर्व अधिकारी रखे जाएं। कार्यक्रम के महत्वपूर्ण फोटो व वीडियो पोर्टल पर अपलोड करें। नोडल अधिकारी कुछ कार्यक्रमों में स्वयं उपस्थित रहें। सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम के लिए किसी बड़े स्थान का चयन किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि शासनादेश का जनपद में पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

सम्पादकीय

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया और खेल भावना की हार

रविवार 19 नवंबर 2023 का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक हो सकता था। 1983 और 2011 की तरह टीम इंडिया क्रिकेट विश्वकप तीसरी बार जीत सकती थी। लेकिन खेल है तो हार–जीत लगी रहती है। और इस बार टीम इंडिया सभी मैचों में अपराजेय रहने के बावजूद फाइनल का मुकाबला हार गई। इसका मतलब यही है कि भारतीय टीम मजबूत है, उसके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास अकूत धन–संपत्ति है, जिससे वो सभी तरह की सुविधाएं और साधन खिलाड़ियों को मुहैया करा सकती है। यह सब होने के बावजूद भारतीय टीम ठीक–ठाक स्कोर बनाकर भी हार गई, तो इस हार को गरिमा के साथ स्वीकार करने में ही क्रिकेट की शोभा है, जिसे भद्रजनों का खेल भी कहा जाता है। लेकिन अफसोस कि इस बार क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करते हुए भारत में न केवल भारतीय टीम हारी, बल्कि खेल भावना भी नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बुरी तरह मात खाती नजर आई। दरअसल खेल भावना की हार की पटकथा तो उसी दिन से लिखनी शुरु हो गई थी, जब सरदार पटेल के नाम पर बने स्टेडियम को मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर किया गया। इतने बड़े देश में कई और नए स्टेडियम बनाए जा सकते हैं और इनमें से किसी का भी नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर हो सकता था, लेकिन तुच्छ राजनैतिक सोच के कारण नाम बदलने का जो सिलसिला शुरु हुआ है, उसका एक और उदाहरण नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में देखने मिला। 1 लाख 32 हजार लोगों को बिठाने की क्षमता वाले स्टेडियम का जब फिर से उद्घाटन हुआ था, तो यहां कोई खेल प्रतियोगिता आयोजित न होकर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम किया गया। खेल और राजनीति के घालमेल का यह मोदीयुगीन उदाहरण था। इसके बाद ऐसी कई और मिसालें देखने मिली हैं। महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन शोषण की न केवल शिकायत की, बल्कि इसके लिए अदालत तक से गुहार लगा दी, जंतर–मंतर पर लंबा धरना–प्रदर्शन किया। लेकिन जिस ब्रजभूषण शरण सिंह पर मुख्यतरू आरोप हैं, वो आज भी संसद में मौजूद है और पीड़ित खिलाड़ी इंसाफ की बाट जोह रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में संसद में ही मौजूद नामचीन खिलाड़ी पी टी उषा ने कोई आवाज नहीं उठाई, उल्टा उन्हें नसीहत दे दी। लेकिन भारत को पहला विश्वकप दिलाने वाले कपिल देव ने महिला खिलाड़ियों के हक में आवाज उठाई थी, तो वे इस बार नरेन्द्र मोदी स्टेडियम नहीं पहुंच पाए। कपिल देव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वे तो चाहते थे कि उनके साथ पहली बार विश्वकप उठाने वाली पूरी टीम फाइनल मुकाबला देखने पहुंचती, लेकिन बीसीसीआई शायद इतने जरूरी कामों में व्यस्त है कि उन्हें फाइनल मुकाबला देखने के लिए आमंत्रित ही नहीं किया गया। वैसे ये देखना रोचक है कि कपिल देव के किरदार को सिनेमा में उतारने वाले रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। फिल्मी, उद्योग और आध्यात्मिक व्यापार से जुड़े कई नामी लोग स्टेडियम में टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और जग्गी वासुदेव अगल–बगल ही बैठे थे और उन दोनों को आपस में बात करते हुए देखा गया। हालांकि सचिन के आखिर विश्वकप में उन्हें जीत का तोहफा देने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी इस फाइनल मुकाबले में नहीं रहे। शायद बीसीसीआई के लिए क्रिकेट के अहम हस्ताक्षरों से कहीं जरूरी उन लोगों की मौजूदगी थी, जिनके कारण यह खेल सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की तरह बना हुआ है। खेल भावना में हार का यह एक और उदाहरण है। विश्वकप मुकाबले में भारत की जीत की उम्मीदें लगाए दर्शकों को काफी मायूसी हुई और यह जायज भी है। लेकिन इसके लिए बहुत से लोगों ने, जिनमें कई राजनेता भी शामिल हैं, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराना शुरु कर दिया। अगर इस हार का ठीकरा मोदी सरकार की खेल नीति की वजह से फोड़ा जाता, तब भी बात समझ में आती। मगर कई लोगों ने नरेन्द्र मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया, सोशल मीडिया पर भी यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह सरासर खेल भावना के विरुद्ध बात है। खेल से तो शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती अच्छी होती है, इसमें अंधविश्वास जैसी बीमारी की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी शिकायत का कारण हो सकती है, क्योंकि जब देश में मणिपुर की गंभीर समस्या है, जब उत्तरकाशी की सुरंग में आठ दिनों से मजदूर फंसे हुए हैं, ऐसे संकटों के बीच प्रधानमंत्री मोदी खेल का आनंद लेने के लिए पहुंचे, यह सही बात नहीं है। श्री मोदी से इस बात की भी शिकायत की जा सकती है कि उनके शासन में देश ये कैसे मुकाम पर आ पहुंचा है, जहां धर्म और राष्ट्रवाद के उन्माद में हम मेहमाननवाजी और सामान्य शिष्टाचार भी भूलते जा रहे हैं। इसी स्टेडियम में पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुए मुकाबले में दर्शकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर भारत की अतिथि परंपरा को ठेस पहुंचाई थी। उसके बाद रविवार को आस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया गया। उनकी जीत और अच्छे प्रदर्शन पर वाहवाही की जगह सन्नाटा पसरा रहा। लाख की क्षमता वाले स्टेडियम में जब विजेता टीम विश्वकप उठा रही थी तो उसकी हौसलाअफजाई के लिए उंगलियों पर गिने जाने लायक दर्शक मौजूद थे, खुद प्रधानमंत्री आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को मंच पर ट्राफी के साथ अकेले छोड़कर चले गए। श्री मोदी के गृहराज्य और उनके नाम पर बने स्टेडियम में विजेता टीम के साथ यह अफसोसनाक व्यवहार हुआ, इसकी शिकायत होनी चाहिए। पनौती जैसे शब्दों के साथ विरोध करने वाले अपने पक्ष को ही कमजोर कर रहे हैं।

आखिरी बात, नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत विश्वकप जीतता तो भाजपा इसे भी चुनावी मुद्दे की तरह इस्तेमाल करती। एक टीवी चौनल ने तो शीर्षक ही लगा दिया था कि मोदी पहुंचे स्टेडियम, अब भारत की जीत पक्की। मोदी राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हो सकते हैं, लेकिन क्या बचपन से उन्होंने क्रिकेट की दीक्षा भी ली है, इस तथ्य का खुलासा होना अभी बाकी है। बहरहाल, आस्ट्रेलिया की लगातार छठवीं जीत और भारतीय टीम की हार के बीच भारत में खेल भावना क्यों हारती जा रही है, इसकी समीक्षा जरूरी है। आस्ट्रेलिया के अखबार तो हमारे इस रवैये की समीक्षा कर ही रहे हैं।

खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति, CM पद हासिल करने के लिए दोनों ने बनाई है रणनीति

राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए पूरी मेहनत कर रही है कि राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार टूट जाये। वहीं भाजपा का प्रयास है कि हर पांच साल में सरकार बदलने के रिवाज का उसे लाभ हो लेकिन सीटों की संख्या इतनी ज्यादा मिले जिससे यह प्रकट हो सके कि अशोक गहलोत सरकार से जनता कितनी नाराज थी। राजस्थान में रिवाज बदलेगा या राज यह तो तीन दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन एक बात तो है कि राजस्थान का चुनावी रण इस बार हाल के कई चुनावों से बदला–बदला नजर आ रहा है।

राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से

पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है। कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन–सा कदम उठाना है।

दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दर्शाता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था।

अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था।

वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है कि उनकी पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने से कुछ पीछे रह जायें। यदि ऐसी स्थिति बनती है तो वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत को अपना राजनीतिक कौशल दिखाने का मौका एक बार फिर मिलेगा और अब सिर्फ यही वह रास्ता है जो उन्हें मुख्यमंत्री पद तक पहुँचा सकता है। देखना होगा कि वसुधंरा और गहलोत की यह आस पूरी होती है या फिर राजस्थान की जनता स्पष्ट बहुमत वाला जनादेश देती है। फिलहाल तो गहलोत और वसुंधरा का पूरा जोर अपनी अपनी सीट जीत कर विधानसभा पहुँचने पर लगा हुआ है।

डीपफेक के इस दौर में आंखों देखी घटना पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता

डीपफेक व्यक्तिगत जीवन से आगे बढ़ कर अब राजनीतिक एवं वैश्विक सन्दर्भों के लिये एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई) तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है, एआइ के जरिए डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। गलत सूचनाएं, ऑडियो–वीडियो और तस्वीरें फैलाने वालों के हाथों में एआइ ने खतरनाक उस्तरा थमा दिया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ व्यक्तिगत छवि को घूमिल करने का हथियार बनकर अनेक चिन्ताओं को बढ़ा रहा है और बड़े संकट का सबब बनता जा रहा है। डीपफेक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं बक्शा है, उन्हें भी परेशान कर दिया है। उनका एक वीडियो इन दिनों यू–ट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खूब चर्चित हो रहा है, इसमें उनको गरबा करते दिखाया गया है। ये पूरा वीडियो डीपफेक नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसी तरह देश एवं विदेश की अनेक हस्तियों के अनेक अश्लील एवं राजनीतिक डीपफेक व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रहे हैं।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमे आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद एवं तकनीक से वीडियो, तस्वीरों और ऑडियो में हेरफेर कर सकते है। इस तकनीक की मदद से आप किसी दूसरे व्यक्ति की फ़ोटो या वीडियो पर किसी और का चेहरा लगाकर उसे पूरी तरह से बदल भी सकते है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल लगभग 96 प्रतिशत के आसपास अश्लील सामग्री बनाने में होता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल अपने मर चुके रिश्तेदारों की तस्वीरों को ऐनिमेट करने में भी करते हैं लेकिन अब डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल देश एवं विदेश की राजनीति में भी होने लगा है। राजनीतिक पार्टियाँ अपने चुनावी प्रचार में इस तकनीक का जमकर इस्तेमाल कर रही है। आम जनता को गुमराह करने एवं बड़ी हस्तियों की छवि एवं प्रतिष्ठा को धूमिल करने में अब इस तकनीक का व्यापक उपयोग होने लगा है। अनेक फिल्मी हस्तियों विशेषतः हीराइनों की अविश्वसनीय अश्लील एवं नग्न वीडियो बड़ी संख्या में आनलाइन आसानी से देखी जा सकती हैं। पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद फोटोज की मदद से आसानी से डीपफेक वीडियो बनाया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब कोई नौसिखिया भी आसानी से फर्जी वीडियो बनाकर सच और झूठ का फर्क मिटा सकता है, किसी भी वीडियो पर झट से भरोसा ना करें क्योंकि डीपफेक वीडियोज से घिरी वर्चुअल दुनिया में आंखों देखा सबकुछ हमेशा सच नहीं होता।

देश–विदेश में कई प्रतिष्ठित हस्तियां डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। कई विदेशी हस्तियों के भी डीपफेक वीडियो सामने आ चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के डीपफेक वीडियो में तो वे रूस से लड़ रही अपनी सेना को सरेंडर करने के लिए कह रहे हैं। इजरायल–हमास युद्ध के भी कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीपफेक को देश के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बता इसके खिलाफ जनता को शिक्षित एवं सावधान करने पर जोर दिया है। भारत के लिये यह बड़ा खतरा इसलिये भी है क्योंकि भारत विविधता वाला देश है, यहां की जनता छोटी–छोटी बातों पर भावुक हो जाती है एवं भड़क जाती है। असली एवं नकली यानी डीपफेक का पता लगाने के लिये सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपेक्षा है। अगर वीडियो में आँख और नाक कहीं और जा रही है या वीडियो में पलक नहीं झपकाई गई है तो समझ जाइए यह डीपफेक कंटेंट है। कंटेंट की कलरिंग को भी देखकर पता लग सकता है कि तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ हुई है। ढेरों चर्चित महिला हस्तियों एवं सिने कलाकारों के चेहरे डीपफेक टेक की मदद से पॉर्न वीडियोज पर लगाकर उन्हें ऑनलाइन शेयर किया जा रहा है। पॉप्युलर अमेरिकन अडल्ट साइट की ट्रेंडिंग टैग्स रिपोर्ट दिखाती है कि ऐसे वीडियोज पिछले कुछ महीने में तेजी से चर्चित हुए हैं और इन्हें व्यापक रूप में सर्च किया जा रहा है या देखा जा रहा है। इस टेक से किसी का फेक न्यूड वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया जा सकता है और ऐसे मामले सामने आए भी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे–जैसे यह टेक्नॉलजी पॉप्युलर होगी, इसका गलत इस्तेमाल और ऐसे क्राइम भी बढ़ते जाएंगे।

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का मशीन द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने कहा था कि हर नई तकनीक सुविधाओं के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी लाती है। नित नई तकनीक के दौर से गुजर रही दुनिया में उनका कथन प्रासंगिक बना हुआ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। किसी भी बात या घटना के सच होने का सबसे बड़ा सबूत उसके किसी वीडियो को माना जाता रहा है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। आंखों देखी पर और किसी भी तरह के डिजिटल फोटो या वीडियो पर भरोसा नहीं किया जा सकता। डीपफेक टेक्नॉलॉजी की मदद से ऐसे वीडियो बनाए जा सकते हैं कि बड़े–बड़े एक्सपर्ट्स भी गच्चा खा जाएं। सामान्य इंटरनेट यूजर शायद ही समझ पाए कि वीडियो डीपफेक है और उसमें दिखने वाला शख्स कोई और है। यह टेक्नॉलॉजी वीडियोज के साथ बिल्कुल वैसे ही काम करती है, जैसा फोटो के लिए फोटोशॉप करता है।

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, यह वीडियो फेक (डीपफेक) है। दरअसल इस वीडियो को लेकर मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने भी चिंता जताई है। इस डीपफेक वीडियो पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज कराया है। इस मामले में एक गिरफ्तारी भी हो चुकी है। अब काजोल का भी डीपफेक सोशल मीडिया पर आ गया है। इसमें उनको कपड़े बदलते दिखाया गया है। इसमें ओरिजनल वीडियो ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोजी ब्रीन का है। उन्होंने ये वीडियो टिकटॉक पर 'गेट रेडी विद मी' सीरीज के लिए बनाया था। भारत में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग रोकने और फर्जी वीडियो की पहचान के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी विकसित करने की जरूरत है। चिंता की बात है कि सोशल मीडिया मंचों और टेक कंपनियों ने डीपफेक वीडियो पर अंकुश के लिए कोई बड़ी पहल नहीं की है। लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर इसकी घातकता को देखते हुए गंभीर है। सरकार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले सभी डिजिटल नागरिक की सुरक्षा और भरोसे को सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचनाओं, डीपफेक और अन्य अवांछित सामग्री की पहचान कर 36 घंटे के अंदर उन्हें हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ कह दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगर डीपफेक कंटेंट को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं तो उन्हें मिलने वाले संरक्षण को वापस ले लिया जाएगा। कई देशों की सरकारें डीपफेक के नियमन की तैयारी में हैं। कुछ अमेरिकी राज्यों में बगैर सहमति डीपफेक बनाने को अपराध घोषित किया जा चुका है। यूरोपीय देशों में भी कानून बनाने की तैयारी चल रही है। सिर्फ कानून बनाने से समस्या से पार पाना संदिग्ध है। जरूरत ऐसे तंत्र की है, जो डीपफेक की सतत निगरानी रख अवांछित सामग्री फैलाने के सभी रास्ते बंद रखे।

क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने का

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जाएगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाए उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाए। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन–तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल दर साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग–अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की मानें तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बन गया। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया था। इसे अमेरिका में 26ध्11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया था। अब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं।

फिर से वर्तमान में लौटेंगे। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नए विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है।

एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा। आईजीआई की तुलना में यात्रियों को प्रति टिकट 1,500 रुपये की बचत होगी। एविएशन मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि जब जेवर एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन शुरू हो जाएगा तो यहां से सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होने लगेगी। यहां से देश के विभिन्न शहरों के लिए विमान सेवा शुरू होंगी। उदाहरण के रूप में दिल्ली–मुंबई के बीच में प्रतिदिन लगभग 100 उड़ानें हैं। उनमें से करीब आधे को जेवर से संचालित किया जा सकता है। इसी तरह से बैंगलुरु, चेन्नई, काशी, पटना, रांची, लेह, गोवा और देश के दूसरे भागों में यहां से विमान उड़ सकते हैं। इसके अलावा लंदन, दुबई, ज्यूरिख या अमेरिका के शहरों को जाने वाली कुछ उड़ानें भी यहां से शुरू की जा सकती हैं। जेवर एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले हजारों विदेशी नागरिकों को भी लाभ होगा जो ऑफिस के काम से लगातार हवाई सफर करते रहते हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बड़ी तादाद में दक्षिण कोरिया और जापान के नागरिक रहते हैं। इनमें पेशेवर, इंजीनियर, उद्यमी आदि शामिल हैं। आईजीआई की भीड़ कम करने, यात्रियों की सहूलियत बढ़ाने के लिए इसे जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 74 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनना भी तय है। जिस पर 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से मेट्रो दौड़ेगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जेवर एयरपोर्ट को एयर कार्गो का हब भी बनाना चाहती है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटीनेंस रिपेयरिंग एंड ओवर हॉलिंग) की सुविधा दी जाएगी। यानी यहीं देश–विदेश के विमानों की सर्विसिंग भी इसी एयरपोर्ट पर होगी। वर्तमान में भारत के 85 प्रतिशत विमानों को एमआरओ के लिए विदेश भेजना पड़ता है। जिसपर प्रतिवर्ष 15 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं।

कई बड़ी एयरलाइंस कंपनियों ने जेवर एयरपोर्ट को एशिया पैसिफिक ट्रांजिट हब बनाने में भी दिलचस्पी दिखाई है। इसमें एयर इंडिया, एयर एशिया, विस्तारा, इंडिगो आदि शामिल हैं। इससे एयरपोर्ट में यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी के मॉडल के रूप में विकसित कर रही है। यहां आने–जाने के लिए टैक्सी, मेट्रो और रेल तक की कनेक्टिविटी सुगम होगी। एयरपोर्ट से निकलते ही यात्री सीधे यमुना एक्सप्रेसवे पर जा सकते हैं, नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे तक जा सकते हैं। यूपी, दिल्ली, हरियाणा कहीं भी जाना है तो थोड़ी सी देर में पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पहुंच सकते हैं। इससे यह तो साफ है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से आईजीआई की भीड़ काफी हद तक छंट जाएगी।

एडिशन एसपी के इकलौते बेटे को तेज रफ्तार कार ने रौंदा, स्केटिंग कर लौट रहा था 10 साल का बेटा

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एडिशनल एसपी श्वेता श्रीवास्तव के बेटे को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया, जिसमें 10 साल के बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल, पुलिस टक्कर मारकर फरार हुई कार की तलाश में है। आपको बता दें कि सड़क हादसे में जिस बच्चे की मौत हुई है वह एडिशनल एसपी श्वेता श्रीवास्तव का इकलौता बेटा था। वह स्केटिंग सिखने के लिए अपने कोच के साथ सुबह जनेश्वर मिश्र पार्क के तरफ निकला था। वापस घर लौटते समय सफेद रंग की कार ने रौंद दिया। घायल हालत में नैमिश को नजदीकी अस्पताल ले जाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच घटना की जांच में लगे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच सफेद रंग कार दिखी है। उसकी तलाश में टीम को लगाया गया है। जल्द ही एक्सीडेंट करने वाले कार चालक को पकड़ लिया जाएगा।

शिक्षक संघ ने मांगी एनपीएस की कटौती की सूची

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट ने जिम्मेदार अधिकारियों से शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन से की जा रही एनपीएस कटौती की सूची मांगी है। सरकार से एनपीएस घोटाले की जांच एसआईटी से कराए जाने की मांग उठायी है।शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने बताया कि 25 जिलों में वर्ष 2005 के बाद से नियुक्त शिक्षक व कर्मचारियों को एनपीएस का लाभ मिल रहा है। इनके प्रान खाते में प्रति माह 10 प्रतिशत स्वयं के वेतन से व 14 प्रतिशत राज्यांश मिलाकर 24 प्रतिशत की धनराशि प्रति माह की दर से खाते में जमा की जानी चाहिये। संगठन विभागीय अधिकारियों से कटौती की सूची मांग रहा है, लेकिन जिम्मेदार सूची को उपलब्ध नहीं करा रहे हैं।एकजुट संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा का कहना है कि इस वित्तीय वर्ष में निदेशालय स्तर से 287 शिक्षकों व कर्मचारियों की काटी गयी धनराशि जो एसबीआई, यूटीआई, एलआईसी में निवेश किया जाना था। बाबुओं ने प्राइवेट कम्पनियों से साठगांठ कर कमीशन लेकर यह धनराशि इन कम्पनियों में निवेशित कर दिया। लखनऊ में दो कर्मचारी निलंबित किये गए हैं। संगठन ने पिछले सालों में हुई कटौती की जांच की मांग की है। बेसिक शिक्षा विभाग के करीब तीन लाख शिक्षक व कर्मचारी तथा माध्यमिक शिक्षा के एक लाख से ज्यादा शिक्षक और कर्मचारी कार्यरत हैं। संगठन ने शिक्षकों व कर्मचारियों से मंगलवार को अपने प्रान खाते के साथ नेशनल इण्टर कॉलेज में बुलाया है। ताकि आगे की रणनीति पर विचार विमर्श होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन की अनकही कहानियों पर आधारित है एण्डटीवी का आगामी शो 'अटल

लखनऊ। भारतीय इतिहास में कई प्रधानमंत्री ऐसे रहे हैं, जिन्होंने बड़े–बड़े बदलाव किये। उन्होंने अपने महान दृष्टिकोण और निर्णायक कदमों से महत्वपूर्ण क्षणों में देश का नेतृत्व किया। उनके

कार्यकाल में कई ऐसे महत्वपूर्ण फैसले हुए, जिन्होंने देश की तकदीर बदली और भारत ने दुनिया पर अपनी छाप छोड़ी। अपने महत्वपूर्ण दृष्टिकोण और निर्णायक कदमों से इन नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज किया और ऐसी अमिट विरासत छोड़ी, जिसने शानदार सफलता और प्रगति के एक युग को परिभाषित किया। ऐसे ही एक महत्वपूर्ण नेता थे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी।अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रभावशाली राष्ट्राध्यक्ष थे और भारत के लोग उनकी विरासत को बहुत अहमियत देते हैं। एण्डटीवी अपने नये शो 'अटल' के माध्यम से उनके बचपन के अनकहे पहलुओं को सामने लाने के लिये तैयार है। यूफोरिया प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो आपको अटल जी के बचपन की झलक दिखायेगा, जिन्होंने बड़े होकर भारत का नेतृत्व किया और इसे एक महान राष्ट्र बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शो की कहानी में अटल की माँ के साथ उनके गहरे सम्बंधों को दिखाया जाएगा, जिन्होंने उनकी धारणाओं, मूल्यों और चिंतन को गहराई से प्रभावित किया था। एक ओर भारत ब्रिटिशराज में गुलामी का सामना कर रहा था और दूसरी ओर देश आंतरिक कलह और धन, जाति तथा भेदभाव के विभाजन से जूझ रहा था। यूफोरिया प्रोडक्डन्स द्वारा निर्मित 'अटल' शो में व्योम ठक्कर 'बाल अटल' के रूप में, नेहा जोशी अटल की मां 'कृष्णा देवी वाजपेयी' के रूप में, आशुतोष कुलकर्णी पिता कृष्णा बिहारी वाजपेयी' के रूप में, मिलिंद देशपांडे दादाजी 'श्यामलाल वाजपेयी' के रूप में, राहुल जेठवा बड़े भाई 'अवध बिहारी वाजपेयी' के रूप में, आर्या जोशी, भाभी 'अवध की पत्नी' के रूप में, प्रियांशू गांधी 'सदा बिहारी वाजपेयी' के रूप में, सक्षम श्रृंगऋषि 'प्रेम बिहारी वाजपेयी' के रूप में और एलिना 'उर्मिला बिहारी वाजपेयी' के रूप में एवं एलिन 'कमला बिहारी वाजपेयी' के रूप मे नजर आयेंगे। आज राजधानी में हुइ प्रेस कांफ्रेंस में एण्डटीवी के बिजनेस हेड विष्णु शंकर ने कहा, '' हमारा नया शो 'अटल' श्री अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन की एक दमदार कहानी है। अटल जी के बचपन के बारे में ज्यादातर लोगों को नहीं पता है। यह कहानी उनके शुरूआती अनुभवों और चुनौतियों पर एक अनूठा नजरिया दिखाती है।'' 'अटल' शो के लेखक शांति भूषण ने बताया, ''स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय राजनीति को नया आकार दिया। हमारा शो 'अटल' आज की पीढ़ी को प्रेरित करना और ऐसे आइडिया को बढ़ावा देने का एक मंच देना चाहता है, जो हमारे देश के गौरव को दुनिया के पटल पर लेकर जाए। बाल अटल की भूमिका निभाने के बारे में व्योम ठक्कर ने कहा, ''मैं बेहद उत्साहित और शुक्रगुजार हूँ कि मुझे बाल अटल की भूमिका निभाने का मौका मिला है। मैंने अटल जी के बारे में इतिहास की किताबों और अपने पैरेंट्स से ही सुना था, लेकिन कभी सोचा नहीं था कि एक दिन किसी टेलीविजन शो में उनके बचपन की भूमिका निभाऊंगा!'' कृष्णा देवी वाजपेयी की भूमिका के बारे में बताते हुए, नेहा जोशी ने कहा, ''मैं अटल की माँ कृष्णा देवी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर खुश हूँ। कृष्णा देवी वह आधार हैं, जिसने उनके बेटे अटल को ढाला। उन्होंने अटल को एक दृढ़ नजरिया दिया और दर्जे पर सवाल उठाने का स्वाभाविक रुझान भी उन्हें अपनी मां से मिला। कृष्ण बिहारी वाजपेयी की भूमिका के बारे में आशुतोष कुलकर्णी ने कहा, ''पर्दे पर बाल अटल के पिता की भूमिका निभाना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। 1930 के दशक में कृष्ण बिहारी वाजपेयी एक गंभीर शिक्ष एवं राष्ट्रवादी इंसान थे, जिनके ब्राह्मण परिवार में चार बेटे और तीन बेटियां थीं।

शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट लायेगी योगी सरकार

आकार होगा बड़ा, 42 हजार करोड़ का अनुमान

लखनऊ। विकास कार्यों के लिए योगी सरकार बड़ा अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में है। यह 42 हजार करोड़ रुपये तक हो सकता है जो कि पिछले बजट 33,768 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 8500 करोड़ रुपये ज्यादा होगा। पिछले अनुपूरक बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 20 हजार करोड़ और राजस्व लेखा के लिए करीब 13756 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसमें 25 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है।28 नवंबर से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान अनुपूरक बजट में विकास योजनाओं पर खास प्रावधान हो सकता है। तीन तीर्थ विकास परिषद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र एससीआर को धरातल पर लाने के लिए धन की व्यवस्था हो सकती है। मुख्यमंत्री ने दो नये लिंक एक्सप्रेस वे की घोषणा करते हुए कहा था कि आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को जोड़ने के 60 किलोमीटर के नये लिंक एक्सप्रेस–वे की जरूरत है। इसी तरह चार लेन के 14 किमी लंबे चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जल्द विकासकर्ता के चयन और फर्रूखाबाद को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने का प्रस्ताव बनाने को कहा था।पांच एक्सप्रेस के दोनों किनारों पर तीस औद्योगिक गलियारों की स्थापना के लिए प्रारंभिक राशि का प्रावधान होने की संभावना है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह प्राथमिकता है। अयोध्या क्षेत्र के विकास के लिए अच्छी खासी राशि का प्रावधान किया जा सकता है। गन्ने के बकाया भुगतान के लिए स्पेशल पैकेज लाया जा सकता है।

यूपी में 5 साल में 193 अपराधी मारे गए,हर रोज 5 एनकाउंटर, निशाने पर शोहदे–गोतस्कर

लखनऊ। यूपी पुलिस महिला अपराध और गो–तस्करी से जुड़े मामलों को लेकर गंभीर है। पुलिस ने अब इससे जुड़े अपराधियों की घेराबंदी शुरू कर दी है। पिछले दिनों महराजगंज पुलिस ने जहां युवती पर तेजाब फेंकने वाले युवक को पुलिस मुठभेड़ में गोली मारकर गिरफ्तार किया। वहीं, रामपुर में गो–तस्कर को पुलिस मुठभेड़ में ढेर कर दिया। यूपी पुलिस के एनकाउंटर रिकॉर्ड की बात करें तो 20 मार्च 2017 से अभी तक प्रदेश भर में अपराधियों के साथ पुलिस की 11,654 मुठभेड़ हुई हैं। इसमें 193 अपराधी मारे गए। वहीं 5714 घायल हुए। आगरा जोन 1986 मुठभेड़ के साथ सबसे आगे रहा। जबकि गोरखपुर जोन 433 मुठभेड़ के साथ सबसे पीछे रहा। हालांकि, लखनऊ पुलिस की बात करें तो वह 100 का आंकड़ा भी पार नही कर पाई। सीएम योगी ने भी एक जनसभा के दौरान कहा था– अगर बेटियों को छेड़ा, तो अगले चौराहे पर यमराज इंतजार करेंगे।

पहली घटना महराजगंज जिले की है। जहां युवती पर तेजाब फेंकने वाले दो आरोपियों के पैर में गोली मारकर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों की पहचान अनिल वर्मा और राम वचन की रूप में हुई है। दोनों एक युवती से एक तरफा प्रेम करते थे। विरोध पर युवती पर तेजाब फेंका था। दूसरी घटना रामपुर की है। जहां पुलिस ने गो–तस्कर साजिद (23) को मुठभेड़ में ढेर कर दिया, जबकि गोली लगने से उसका साथी बबलू घायल हो गया। दोनों मुरादाबाद के रहने वाले हैं। कई सालों से गो–तस्करी से जुड़ हुए थे।

यूपी पुलिस के एनकाउंटर के आंकड़ों पर नजर डालें, तो यहां पर हर दिन अपराधियों के साथ 5 मुठभेड़ हो रही हैं। 20 मार्च 2017 से अभी तक प्रदेशभर में अपराधियों के साथ पुलिस की 11,654 मुठभेड़ हुई हैं। जिसमें 195 अपराधी मारे गए। वहीं 5714 घायल हुए। जबकि इन मुठभेड़ में 24680 अपराधी गिरफ्तार किए गए और 16 पुलिसकर्मियों की शहादत हुई। इस दौरान 1489 पुलिस कर्मियों को गोली लगी। पुलिस मुठभेड़ में आगरा जोन 1986 मुठभेड़ के साथ सबसे आगे रहा। वहीं 433 मुठभेड़ के साथ गोरखपुर जोन सबसे पीछे रहा। इसी तरह गौतमबुद्ध कमिश्नरेट 740 मुठभेड़ कर पहले पायदान पर और लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस मुठभेड़ में सौ का आंकड़ा (82) भी पार नहीं कर सका।

अजमल खां तिब्बिया कालिज में रेजीमेनल थेरेपी पर कार्यशाला का आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के इलाज–बित–तदबीर विभाग द्वारा 'सामान्य रुमेटोलॉजिकल विकारों के प्रबंधन में इलाज बित तदबीर की भूमिका' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक विचार–विमर्श का उद्देश्य सामान्य रुमेटोलॉजिकल रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और विभिन्न जोखिम कारकों और उनके समग्र प्रबंधन पर चर्चा करना था। उद्घाटन सत्र में अपने अध्यक्षीय भाषण में, एएमयू के कुलपति, प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने रुमेटोलॉजिकल विकारों के प्रबंधन में नियमित उपचारों की भूमिका पर चर्चा की और बताया कि वे उपचार के अन्य तरीकों से कैसे बेहतर साबित हो रहे हैं।मुख्य अतिथि, प्रोफेसर रईसुर रहमान, पूर्व सलाहकार (यूनानी) और महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए इलाज–बित–तदबीर विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। मानद अतिथि प्रोफेसर एम.एम. एच. सिद्दीकी, पूर्व डीन, यूनानी चिकित्सा संकाय, एएमयू, और प्रो. जमाल अख्तर, पूर्व डीन, यूनानी चिकित्सा संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, ने विभिन्न आहारों पर चर्चा की जिनका संभवतः गठिया संबंधी विकारों के इलाज में उपयोग किया जा सकता है। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन, प्रो. उबैदुल्लाह खान ने कहा कि इलाज–बित–तदबीर विभाग रोगियों में विभिन्न विकारों के प्रबंधन में सफलतापूर्वक योगदान दे रहा है।

अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर बदरुद्दुजा खान ने गठिया संबंधी विकारों को ठीक करने में जोंक थेरेपी के महत्व पर चर्चा की, उन्होंने कहा कि विभाग का जोंक टैंक इस उद्देश्य के लिए विभिन्न प्रजातियों और बड़ी मात्रा में जोंक को संग्रहीत करता है। इससे पहले, अतिथियों का स्वागत करते हुए, विभागाध्यक्ष और आयोजन सचिव प्रोफेसर मोहम्मद अनवार ने इलाज–बित–तदबीर के माध्यम से गठिया संबंधी विकारों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया और विभाग की उपलब्धियों पर चर्चा की। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, प्रो. आसिया सुल्ताना ने प्रतिनिधियों को गठिया संबंधी विकारों के प्रबंधन के लिए विभाग में उपलब्ध विभिन्न नियमों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फातिमा खान ने किया तथा डॉ. मोहम्मद साद अहमद खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यशाला के दौरान, प्रो. हम्माद उस्मानी ने 'एंकिलॉजिंग स्पोंडिलोसिसरू निदान और प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. सोहेल अहमद ने 'रूमेटॉइड गठिया और इसकी नैदानिक अभिव्यक्तियाँ, निदान और प्रबंधन' पर बात की। प्रो. आसिया सुल्ताना ने 'स्वस्थ सिनोवियम और सिनोवियल तरल पदार्थ के लिए औषधीय जोंक' के बारे में बात की और डॉ. सोहराब अहमद खान ने 'गठिया के इलाज में फिजियोथेरेपी की क्षमता' पर चर्चा की, जबकि प्रो. रईसुर रहमान ने 'गाउट और यूनानी चिकित्सा के माध्यम से इसके प्रबंधन' पर एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। हिजामा (कपिंग थेरेपी) का लाइव प्रदर्शन डॉ. फरखुंदा जबीन द्वारा किया गया, जबकि जोंक थेरेपी पर एक व्यावहारिक प्रदर्शन डॉ. मोहम्मद शोएब द्वारा किया गया और फिजियोथेरेपी तौर–तरीकों का प्रदर्शन डॉ सोहराब अहमद खान द्वारा किया गया। कार्यशाला में दिल्ली, बिहार, प्रयागराज, लखनऊ सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 140 प्रतिनिधि शामिल हुए।

राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग के गठन से होगा फार्मेसी का विकास

फार्मेसिस्ट फेडरेशन बिल पर केंद्र सरकार को भेजेगा सुझाव-सुनील

लखनऊ। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग का गठन करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, जिससे उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों में भी फार्मेसी काउंसिल के स्थान पर आयोग की शाखाएं गठित हो जाएंगी। आयोग के गठन से देश में फार्मेसी शिक्षा का विकास होगा फार्मेसी प्रोफेशन अत्यंत सुदृढ़ होगा और फार्मेसी के विकास के लिए नई नीतियां बना सकेंगे जो आम जनता के लिए भी बहुत प्रभावशाली और लाभकारी सिद्ध होंगे आयोग के गठन से फार्मेसी प्रोफेशनल्स का सम्मान बढ़ेगा । फार्मेसी आयोग बल पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि फेडरेशन की एक कमेटी बिल का पूरा अध्ययन कर रही है और जल्द ही भारत सरकार को अपना सुझाव प्रस्तुत करेगी । फेडरेशन चिकित्सा क्षेत्र में लगे क्लिनिकल, हॉस्पिटल फार्मासिस्ट और सामुदायिक फार्मासिस्टों का प्रतिनिधित्व आयोग में रखने का सुझाव देगी।उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक पब्लिक नोटिस जारी करते हुए ष्नेशनल फार्मेसी कमीशन बिल 2023 के संबंध में जनता से राय मांगी है,नोटिस 10 नवंबर 2023 को जारी की गई है और भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है । ड्राफ्ट जारी करते हुए कहा गया है कि पब्लिक द्वारा अपने कमेंट ईमेल के जरिए एक महीने के अंदर भेजा जाना है ।बिल पास होने पर फार्मेसी काउंसिल समाप्त हो जाएगी और उसकी जगह पर राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग का गठन होगा जिसका सचिवालय नई दिल्ली में होगा ।आयोग का कार्यकाल 4 साल का होगा, 65 साल से ऊपर के लोग चेयरपर्सन, मेंबर नहीं बनाए जाएंगे।

मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने की उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए बीमा सॉल्यूशन की पेशकश'

लखनऊ। तेजी से बढ़ती स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत में सक्रिय रूप से अपनी पहुंच बढ़ा रही है। कंपनी का लक्ष्य स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करना है और विभिन्न ग्राहक वर्गों की अद्वितीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए स्वास्थ्य बीमा सॉल्यूशन पेश किए हैं। उत्तर प्रदेश के बाजार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, मणिपालसिग्ना का लक्ष्य स्वास्थ्य बीमा को अपनाने की दर को बढ़ाना है और अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक

सुविधाजनक और आजीवन पहुंच प्रदान करना है। मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस की मुख्य विपणन अधिकारी सपना देसाई ने कहा, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 (एनएफएचएस–5) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में केवल 15.9 प्रतिशत परिवार स्वास्थ्य बीमा या वित्तपोषण द्वारा कवर किए गए हैं। इस क्षेत्र में जीवनशैली से संबंधित बीमारियों और सड़क दुर्घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। इस स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों और उपचार के खर्चों का समाधान करने के लिए, मणिपाल सिग्ना में "लाइफटाइम हेल्थ" और "प्रोहेल्थ प्राइम" जैसे बीमा उत्पाद हैं। सामर्थ्य और उच्च बीमा राशि कवरेज के लिए जाने जाने वाले ये प्रमुख उत्पाद उत्तर प्रदेश के बाजार की विशिष्ट स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके अलावा, हमारे ब्रांड एंबेसडर, अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ हमारी विशेषज्ञ टीम और भागीदारों ने हमारे ब्रांड और स्वास्थ्य बीमा समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आगे हम उत्तरी क्षेत्र में नए शाखा कार्यालयों का भी विस्तार कर रहे हैं। वित्त वर्ष 24 में 4000 से अधिक स्वास्थ्य बीमा एजेंटों को नियुक्त कर रहे हैं। इस रणनीतिक विस्तार का उद्देश्य उत्तरी क्षेत्र में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल को सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप क्षेत्रीय पहुंच और व्यक्तिगत सेवा सुनिश्चित करना है। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, "जब मेरे और मेरे परिवार के स्वास्थ्य की बात आती है, तो मैं हमेशा भरोसेमंद चिकित्सा विशेषज्ञों पर भरोसा करता हूं क्योंकि मैं उनकी विशेषज्ञता को बाकी सभी चीजों से ऊपर महत्व देता हूं। इसलिए, मणिपालसिग्ना परिवार का हिस्सा बनना एक सम्मान की बात है, जिसे लोगों की स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण जरूरतों का समर्थन करने के मामले में विश्वसनीयता के स्तर के लिए स्वास्थ्य बीमा विशेषज्ञ के रूप में देखा जाता है। मणिपालसिग्ना की समृद्ध विशेषज्ञता बाजार में कई नई और पूरी तरह से भरे हुए उत्पादों की पेशकश करने, तुरंत और आसान दावा निपटान प्रदान करने और बेहतर स्वास्थ्य सेवा अनुभव प्रदान करने में निहित है। इस प्रकार, मैं उत्तर प्रदेश के लोगों को स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, क्योंकि यह न केवल आपके स्वास्थ्य की रक्षा करती है, बल्कि चिकित्सा अनिश्चितताओं के कारण वित्तीय संकट के समय मानसिक शांति भी प्रदान करती है।'' स्वास्थ्य बीमा विशेषज्ञ के रूप में, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 22–23 में उत्तरी क्षेत्र दृ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड से 36 प्रतिशत की वृद्धि देखी। मणिपालसिग्ना के करीब 10,000 सलाहकार, प्रमुख वितरण भागीदार जैसे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बजाज कैपिटल और कई अन्य लोग वितरण नेटवर्क के माध्यम से पूरे क्षेत्र में 2400 से अधिक बिक्री स्थानों और उत्तर भारत में 23 शाखा कार्यालयों में मौजूद हैं। इसके अलावा, स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी के पास देश भर में 9,000 से अधिक अस्पतालों में से उत्तर भारत में 2,250 नेटवर्क अस्पताल हैं। उत्तरी क्षेत्र में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस का लक्ष्य नए शाखा कार्यालय शुरू करना है और वित्त वर्ष 24 में उत्तरी क्षेत्र के लिए अधिक कर्मचारियों और लगभग 4,000 एजेंटों को नियुक्त करने की योजना है। उत्तर प्रदेश में उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की बढ़ती व्यापकता के साथ–साथ उपचार की बढ़ती लागत के जवाब में, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने लगातार स्वास्थ्य बीमा उत्पादों को पेश किया है। इन्हें राज्य के निवासियों की विशिष्ट स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इन ग्राहक–केंद्रित समाधानों में मणिपालसिग्ना लाइफटाइम हेल्थ योजना है, जो एक व्यापक स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण विकल्प है जो घरेलू और वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के लिए 50 लाख रुपये से 3 करोड़ रुपये तक की बीमा राशि के साथ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, मणिपालसिग्ना प्रोहेल्थ प्राइम योजना मधुमेह, मोटापा, अस्थमा, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियों से जूझ रहे व्यक्तियों की सेवा करती है। मणिपालसिग्ना प्रोहेल्थ प्राइम डॉक्टर परामर्श, निर्धारित रोजाना परीक्षणों और फार्मेसी खर्चों के लिए "कैशलेस ओपीडी" कवरेज जैसी सुविधाओं के साथ आता है, जिनका भुगतान ज्यादातर अपनी जेब से किया जाता है। इसके अलावा, यह "गैर–चिकित्सा खर्च" को भी कवर करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अस्पताल में भर्ती होने के दौरान गैर–चिकित्सा के रूप में जेब से कोई खर्च न हो और ऐसे कई अन्य आकर्षक लाभ भी हों।

सहकारी चीनी मिलें होंगी, चलाने वाले नही !

उत्पादन और रिकवरी बेहतर ,प्राथमिकता में किसान फिर भी मिलें उपेक्षित

लखनऊ। सहकारी चीनी मिल संघ और सहकारी चीनी मिलों में तकनीकी स्टाफ की कमी के चलते आने वाले दिनों में सरकारी सुपरविजन में चलने वाली दो दर्जन चीनी मिलें बन्दी के कगार पर होंगी। तीन चार साल बाद सहकारी चीनी मिलें होंगी लेकिन चलाने वाले नहीं। रिटायरमेंट हो रहे भर्ती नही तो चक्का खुद ब खुद जाम होगा। शुगर फेडरेशन से लेकर शुगर मिलों तक रसायन विद, मेकैनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर,लेखाधिकारी,गन्ना अधिकारी इत्यादि शुगर इंडस्ट्री के लिए नितांत आवश्यक हैं बावजूद इसके तमाम पद खाली पड़े हैं। सहकारी चीनी मिलों का किसानों से सीधा जुड़ाव है।गन्ना किसानों का हित जुड़ा है। डबल इंजन की सरकार की किसानों की तरक्की प्राथमिकता में है।चीनी मिलों का सुचारू रूप से संचालन भी प्राथमिकता में ही है। शुगर फेडरेशन के अधीन 24 चीनी मिलें हैं, जिनमें 2023–24 का गन्ना पेराई सत्र शुरू हो रहा है।गन्ना पेराई सत्र में कार्य करने वाले अफसरों और तकनीकी कर्मचारियों के कमी अखर रही है।मिलों और संघ मुख्यालय में कुछ वर्ष पहले करीब डेढ़ हजार अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती थी।इसके सापेक्ष वर्तमान में केवल 315 कर्मचारी और अधिकारी रह गए हैं।सबसे खास बात यह है कि जो बचे हैं उनमें से लगभग आधे 2026–27तक रिटायर हो जायेंगे। ऐसी परिस्थिति में सहकारी चीनी मिल्स संघ के अधीन संचालित होने वाली सहकारी चीनी मिलों का संचालन और गन्ना पेराई सत्र की सुचारू व्यवस्था में संकट उत्पन्न होगा।शुगर फेडरेशन के एमडी आरके पांडेय का वर्कर्स की कमी के बावजूद व्यवस्था मेंटेन करने पर फोकस रहता है जिसके चलते पिछले तीन पेराई सत्र में अच्छा उत्पादन हुआ, प्रबंधन और सरकार के सहयोग से गन्ना मूल्य भुगतान भी ठीक हुआ,चीनी का रिकार्ड एक्सपोर्ट हुआ और रेट भी लगभग 4500 रूपये प्रति कुंटल तक मिला,शीरा रेट भी सन्तोषजनक ही रहा है।पहले शीरा सस्ता बिकता रहा है मगर इधर साढ़े आठ सौ रुपये से लेकर एक हजार रुपये प्रति कुंटल तक बिका है। जब उत्पादन बेहतर और राजस्व भी ठीक आ रहा तो भर्ती में अड़चन समझ से परे है। वर्तमान में मिलों के संचालन हेतु कुछ सेवानिवृत्त तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों को अनुबंध पर रखा गया है।उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय चीनी मिल अधिकारी परिषद के अध्यक्ष एसपी सिंह के मुताबिक इंजीनियर और श्रमिक आदि पदों पर पदोन्नति की गई और लंबे समय से रुका समयमान वेतनमान भी दिया गया है। लेकिन सुरक्षित भविष्य खातिर मैनपावर तो बढ़ानी जरूरी है।वर्तमान में करीब पौने एक हजार अधिकारियों और कर्मचारियों के पद रिक्त बताये जाते हैं। यदि इन पदों को भरे जाने की बाबत शासन स्तर से निर्णय नही लिया जाता है तो तय है कि 2027 के बाद चीनी मिलों का चक्का नही घूम पायेगा।तकनीकी स्टाफ नही होगा तो मिलों की बन्दी की नौबत आनी स्वाभाविक है।

दहेज हत्या के केस में सास व जेठानी को उम्रकैद,

दोषियों पर कोर्ट ने लगाया 52 हजार रुपये का जुर्माना, ससुर व जेठ को दिया दोषमुक्त करार

उन्नाव। जिले में दहेज हत्या मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सास और जेठानी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। ससुर व जेठ को दोषमुक्त करार दिया। दोषियों पर 52 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा चौकी निवासी गफ्फार अली ने 1 फरवरी 2019 को बहन को जलाकर मार डालने के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गफ्फार का आरोप था कि उसकी बहन मोमिना पत्नी असलम निवासी उमराऊ खेड़ा कोतवाली सदर अपनी ससुराल में थी। सास मेहरुन्निशा, ननद आशिदा, जेठानी अजीजून निशा, ससुर अकबर अली, जेठ अली मोहम्मद ने बहन को मारा पीटा। उसके ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। सूचना पर जब बहन की ससुराल पहुंचा तो उसकी हालत गंभीर थी। कोतवाली पुलिस ने सास, ननद, जेठानी, ससुर और जेठ के खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की थी। इलाज के दौरान मोमिना की जिला अस्पताल में मौत होने पर विवेचक एसआई ने दहेज हत्या की धारा बढ़ाते हुए आरोपितों के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र प्रेषित किया। फास्ट ट्रैक प्रथम की कोर्ट में मुकदमा चला। विशेष लोक अभियोजक दीपक मिश्रा की दलीलों व पुलिस पेश किए साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश रवि प्रकाश साहू ने सास मेहरुन्निशा व जेठानी अजीजून निशा को दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने जेठ व ससुर को दोषमुक्त करार दिया। मौरावां थाना पुलिस ने सूर्य प्रकाश दीक्षित व गौरव दीक्षित निवासीनई बस्ती बाबूगंज थाना हसनगंज लखनऊ, मैकू रावत निवासी कोड़रा, राघवेंद्र यादव उर्फ कल्लू निवासी बद्रीखेड़ा, अर्बन तिवारी निवासी गदनखेड़ा को बसहा तिराहे से गिरफ्तार किया है। सभी फर्जी दस्तावेजों से जमीन बिक्री में वांछित चल रहे थे। विधिक कार्रवाई कर पांचों को जेल भेजा गया है।

पति को ढूंढने सोनभद्र से नोएडा पहुंची महिला, ठेकेदार पर लगाया अपहरण का आरोपय मामला दर्ज

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा के गौतमबुद्ध नगर के थाना दनकौर में सोनभद्र निवासी एक महिला ने ठेकेदार पर पति का अपहरण करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। महिला ने कहा कि एक ठेकेदार उसके पति को जनपद सोनभद्र से काम करने के लिए दनकौर लेकर आया, लेकिन उसकी उसके पति से बात नहीं हो पा रही है। पीड़िता के अनुसार, अनिल कुमार के साथ काम करने वाले लोगों का कहना है कि उसके पति की ठेकेदार के यहां काम करते समय मौत हो चुकी है। थाना दनकौर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने बीती रात को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़ित महिला का आरोप है कि सोनभद्र निवासी उनके पति अनिल कुमार को ठेकेदार हकीम मियां पुत्र रज्जाक काम करने के लिए नोएडा लेकर आया था। दो–तीन महीने तक उसकी उसके पति से बात होती रही, लेकिन इसके बाद उसकी उसके पति से बात होनी बंद हो गई। आरोप के मुताबिक, ठेकेदार बार–बार पूछने पर भी अनिल के बारे में कुछ नहीं बताता तथा धमकी देता है। पीड़िता ने कहा कि ठेकेदार ने उसे मुंह बंद रखने के लिए कई बार पैसा देने का भी लालच दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि कोर्ट के आदेश पर पहले यह मामला जनपद सोनभद्र में दर्ज हुआ था, लेकिन इसके बाद इस मामले को नोएडा स्थानांतरित किया गया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां के सेक्टर–24 थाना क्षेत्र के मोरना गांव में रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी संग मिलकर अपने पति के ऊपर जानलेवा हमला किया। जिससे शख्स बेहोश होकर जमीन पर गिर गया और फिर दोनों उसे मरा हुआ समझकर छोड़कर भाग गए। पड़ोसियों ने उसे अस्पताल भर्ती कराया और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ में अग्निवीर भर्ती का छठा दिन, कानपुर और फतेहपुर के 1050 अभ्यर्थी हुए शामिल

लखनऊ। सेना के आरओ (मुख्यालय) लखनऊ में आज से अग्निवीर भर्ती रैली के छठे दिन 2 जिलों के 3 तहसील के अभ्यर्थी शामिल हुए। कानपुर और फतेहपुर के कानपुर सदर, नरवल और फतेहपुर के खागा के अभ्यर्थी भर्ती रैली में पहुंचे। इस दौरान एक हजार 50 अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया। इससे पहले पांचवें दिन एक हजार 123 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जनसंपर्क अधिकारी शांतनु सिंह ने बताया कि मंगलवार भर्ती रैली में कानपुर नगर की 2 तहसील, जिनमें कानपुर और नरवल के अभ्यर्थी शामिल हुए। वही फतेहपुर के खागा तहसील के भी अभ्यर्थी शामिल हुए। कुल 1512 के सापेक्ष 1050 अभ्यर्थी शामिल हुए। अग्निवीर बनने के लिए सर्द मौसम की परवाह किए बिना छावनी के एएमसी स्टेडियम में चल रही भर्ती रैली में कानपुर और फतेहपुर जिले के युवाओं को खूब जोश दिखाया। भर्ती रैली के छठे दिन मंगलवार को इन दोनों जिले की 3 तहसीलों के 1050 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। एएमसी स्टेडियम में सेना भर्ती कार्यालय लखनऊ के अंतर्गत आने वाले लखनऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, फतेहपुर, कन्नौज, औरैया, महोबा, चित्रकूट, बाराबंकी, बांदा, गोंडा, हमीरपुर जिले के अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं।

मंडलायुक्त रोशन जैकब ने शिकायतों की समीक्षा की,

कहा, शिकायतों को थाने में ही निपटने का प्रयास करें, कलेक्ट्रेट में आने पर एसपी संज्ञान लें

रायबरेली। लखनऊ के मंडलायुक्त रोशन जैकब बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंची। यहां पर उन्होंने सबसे पहले कलेक्ट्रेट परिसर में जनता दरबार लगाया। इस जनता दरबार में पिछली शिकायतों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला अधिकारी हर्षिता माथुर और मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव समेत भारी संख्या में जिला प्रशासन की जिम्मेदार आला अधिकारी मौजूद रहे। पूरा कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर बचत भवन में जनता दर्शन के रूप में किया गया था। इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर में दूर दराज से शिकायतों को लेकर पहुंची आम जनता से मंडलायुक्त रोशन जैकब ने बातचीत की। उससे संबंधित अधिकारियों को तुरंत शिकायत पर संज्ञान लेकर कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए गए। मौके पर मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव समेत भारी संख्या में जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो थाने से शिकायत समस्याएं हैं, उनको पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी यह समझ लें कि ज्यादातर शिकायतों को थाने में ही निपटने का प्रयास करें। निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की जाए। जिससे किसी तरह की शिकायत जिला कलेक्टर परिसर तक ना आने पाए। अगर कलेक्ट्रेट परिसर तक आ रही है तो उसे पर तुरंत एसपी संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। मंडलायुक्त रोशन जैकब ने बताया कि पिछली शिकायतों की समीक्षा करने और जनता दर्शन करने और जनता की समस्याओं को सुनने और कलेक्ट्रेट में चल रही योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज का कार्यक्रम निश्चित किया गया था। इसके तहत आज हम रायबरेली आए हैं और जिम्मेदार आला अधिकारियों के साथ में समीक्षा बैठक की गई है, जो भी समस्याएं थी। उन समस्याओं का निदान करवा दिया गया है। जो भी शिकायत मुझे प्राप्त हुई थी। जिम्मेदार आला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

कई मॉल और दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा, हलाल मार्का प्रोडक्ट को लेकर छापेमारी, कहीं भी नहीं मिला प्रोडक्ट

उरई/जालौन। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हलाल सर्टिफिकेट प्रोडक्ट को प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया है, जिससे बाजार में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट न बिक सकें। इसी को लेकर जालौन में खाद्य एवं औषधि विभाग द्वारा उरई के अलग–अलग मॉल में जाकर छापेमारी की गई, जिसमें हलाल सर्टिफिकेट प्रोडक्ट को सीज किया जा सके। इस छापेमारी के दौरान विभाग की कई टीम में मौजूद रहीं। जालौन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जतिन कुमार ने अपनी खाद्य विभाग की टीम के साथ मिलकर मंगलवार को वी मार्ट, सिटी कार्ड, रिलायंस स्टोर सहित समेत शहर के विभिन्न शॉपिंग मॉल और दुकानों में अचानक छापा मारते हुए चेकिंग की। इस दौरान खाद्य विभाग की टीम ने उन प्रोडक्ट्स की जांच की, जिस पर यूपी सरकार द्वारा हाल ही में प्रतिबंध लगाया गया है। खाद्य विभाग की टीम ने कोल्ड ड्रिंक, ड्राई फ्रूट सहित तमाम प्रोडक्ट की जांच की। हालांकि, इस दौरान खाद्य विभाग की टीम को कोई भी हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट नहीं मिला। फिलहाल हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट बाजार में न बिक सके, इसको लेकर सरकार के निर्देश को अमली जामा पहनाने में खाद्य विभाग जुटा हुआ है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जतिन कुमार का कहना है कि सरकार ने हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट पर पूर्णतया बैन लगा दिया है। ऐसे में बाजार में कोई हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट न बेच सके इसको लेकर चेकिंग की जा रही है। अभी तक कोई प्रोडक्ट ऐसा नहीं मिला है, जो हलाल सर्टिफाइड हो, यदि ऐसा कोई प्रोडक्ट मिलता है तो इसमें कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह से हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट को बिकने नहीं दिया जाएगा।

टाइफाइड में बकरी का दूध पीने से पहले लें डॉक्टरी सलाह, जानिए क्यों?

बीमारी कोई भी स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं होती। खासकर बुखार के कारण शरीर कमजोर होने लगता है। बुखार कई तरह का होता है जिसमें से टाइफाइड बुखार भी है। यह बुखार साल्मोनेला टाइफी जीवाणु के संपर्क में आने से होता है। इस बुखार के कारण मरीज को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, दस्त और कब्ज जैसी परेशानियां होने लगती हैं। इसके अलावा टाइफाइड के इंफेक्शन से बचने के लिए बहुत से लोग बकरी के दूध का सेवन करते हैं लेकिन क्या इस दौरान बकरी का दूध पीना फायदेमंद है आज आपको इसके बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं....

क्या टाइफाइड रोगियों को पीना चाहिए बकरी का दूध?

एक्सपर्ट्स की मानें तो बकरी के दूध में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं परंतु गलत तरीके से इसका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। टाइफाइड के मरीज जल्दी रिकवर होने के लिए बकरी का दूध पी लेते हैं। परंतु एक्सपर्ट्स की मानें तो टाइफाइड में सिर्फ बकरी का दूध पीने से ही आप टाइफाइड का बुखार कम नहीं कर सकते। बकरी का दूध शरीर को पोषण जरूर देता है परंतु इसका सेवन करने से टाइफाइड का बुखार कम नहीं होता।

बकरी के दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्व

बकरी के दूध में कार्ब्स, प्रोटीन, शुगर, सोडियम, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन–ए, विटामिन–बी, विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं इसका सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है किंतु एक्सपर्ट्स के अनुसार, ऐसी कोई रिसर्च सामने नहीं आई है जिसके आधार पर यह माना जा सके कि टाइफाइड रोगियों के लिए बकरी का दूध फायदेमंद होता है। यदि आप फिर भी टाइफाइड की समस्या में बकरी का दूध पीते हैं तो एक बार एक्सपर्ट्स की सलाह जरुर लें। बकरी का दूध बहुत ज्यादा मात्रा में पीने स्वास्थ्य को नुकसान हो सकते हैं।

ज्यादा मात्रा में बकरी का दूध पीने से होंगे नुकसान

किसी भी बीमारी में बकरी का दूध पीने से पहले आप एक बार डॉक्टर की सलाह जरुर ले लें। ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से रोगियों को नुकसान भी हो सकते हैं। टाइफाइड में बकरी का दूध पीना फायदेमंद है परंतु डॉक्टर से पूछे बिना इसका सेवन न करें।

थाने में युवक की पिटाई का आरोपी दरोगा लाइन हाजिर

लखनऊ। रायबरेली जगतपुर थाने में युवक की पिटाई के मामले के तूल पकड़ने के बाद एसपी ने आरोपी दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। यह कार्रवाई पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय के थाने पहुंचने और पीड़ित युवक का डॉक्टरी मुआयना कराए जाने के बाद की गई। जगतपुर क्षेत्र के रामगढ़ टिकरिया गांव में गत बुधवार की रात तीन चरों से जेवरात व नकदी चोरी हो गई थी। इस घटना में संदेह के आधार पर रविवार को पुलिस ने रघुराजगंज मुकेश कुमार थाने पर बुलाया। आरोप है कि एक दरोगा ने युवक को कमरे में बंद कर पीटा और चोरी की घटना कबूल करने का दबाव डाला इसकी जानकारी होने पर ग्रामीणों ने थाना घेरकर प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने मुकेश को छोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय रविवार देर रात जगतपुर थाने पहुंचे और युवक की पिटाई की घटना पर नाराजगी जताई। रात में ही युवक को सीएचसी जगतपुर ले जाकर डॉक्टरी मुआयना कराया। मुकेश की ओर से दरोगा के खिलाफ तहरीर दी गई है। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने आरोपी दरोगा जीशान खां को लाइन हाजिर कर दिया है। एसपी ने घटना की जांच सीओ डलमऊ अरुण कुमार को सौंपी है। बताया कि जांच में दोषी मिलने पर दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जगतपुर एसओ से भी रिपोर्ट मांगी है।

देवउठनी एकादशी पर बन रहा है खास संयोग, इस विधि से करें विष्णु जी की पूजा

हिंदू धर्म के अनुसार, एकादशी तिथि और गुरुवार का दिन भगवान विष्णु का माना जाता है। इस साल देवउठनी एकादशी 23 नवंबर गुरुवार को मनाई जा रही है। गुरुवार के दिन एकादशी तिथि होने के कारण इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। इसके अलावा भी इस दिन कुछ खास योग बन रहे हैं। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि एकादशी के दिन शुभ मुहूर्त क्या है.....

बन रहे हैं ये खास संयोग

इस बार देवउठनी एकादशी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह दोनों योग ही बहुत शुभ और लाभकारी माने जाते हैं। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग 23 नवंबर शाम 05.16 मिनट से शुरु होगा और 24 नवंबर सुबह 06.50 मिनट तक रहेगा। वहीं रवि योग सुबह 06.49 से शुरु होगा और शाम 05.16 पर खत्म होगा।

शुभ मुहूर्त

एकादशी तिथि 22 नवंबर सुबह 11.03 पर शुरु होगी और 23 नवंबर को रात 09.01 पर खत्म होगी।

इस विधि से करें पूजा?

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर घर के मंदिर में दीप जलाएं भगवान विष्णु का गंगाजल के साथ अभिषेक करें। भगवान विष्णु को फूल और तुलसी दल की माला अर्पित करें। यदि संभव हो तो इस दिन व्रत जरुर करें। देवउठनी एकादशी वाले दिन तुलसी विवाह भी होता है इस दिन भगवान विष्णु के शालीग्राम अवतार और मां तुलसी का विवाह किया जाता है। इस दिन तुलसी और शालीग्राम भगवान की विधि–विधान के साथ पूजा करें और भगवान की आरती करें। भगवान को भोग लगाएं। इस बात का ध्यान रखें कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाएं। विष्णु भगवान के भोग में तुलसी जरुर शामिल करें मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु तुलसी के बिना भोग ग्रहण नहीं करते। इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की पूजा भी करें। इस दिन भगवान विष्णु का ध्यान करें।

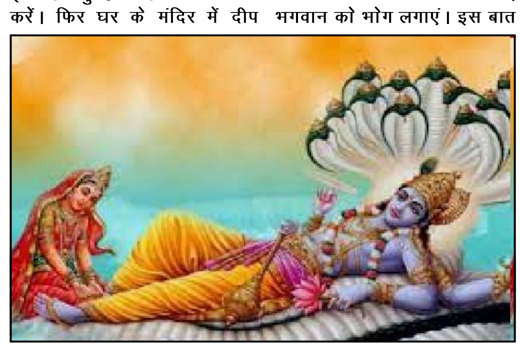

आठ साल की हुई अल्लू अर्जुन की बेटी अरहा, हीरे का हार और बालियां पहने चाचू की शादी में दिखीं राजकुमारी जैसी

अल्लू अर्जुन और अल्लू स्नेहा रेड्डी की छोटी बेटी अल्लू अरहा 21 नवंबर को 8 साल की हो गई। इस मौके पर पुष्पा एक्टर ने अरहा और उनकी कुछ प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने अपनी बेटी के साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं जो इटली में वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी की शादी के समय की हैं। अरहा को देखकर सब यही कह रहे हैं कि वो कितनी जल्दी बड़ी हो गई हैं।अल्लू अर्जुन ने अपनी बेटी जॉय को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए ट्विटर पर फोटोज शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट किए और उन्हें कैप्शन दिया, माई बंडल ऑफ जॉय, माई जॉय, और हैप्पी बर्थडे टू माई जॉय। एक ट्वीट किए गए पोस्ट में अल्लू अर्जुन ने अपनी बेटी अल्लू अरहा और खुद की कुछ अजीब पोज देते हुए एक जीआईएफ शेयर की। फोटोज में वह अरहा को ले जाते हुए और ट्रेडिशनल कपड़े पहने हुए उसके साथ डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फोटो में अल्लू अर्जुन को एक सफेद सूट और काले शेड्स में देखा जा सकता है। नन्हीं अरहा पेस्टल लैवेंडर ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिस पर फूलों का पैटर्न बना हुआ है। उन्होंने अपनी ड्रेस को चमचमाते जूतों के साथ पेयर किया है। पहने नजर आ रही हैं। अल्लू अर्जुन की सबसे हालिया फिल्म सुकुमार की एक्शन ड्रामा पुष्पा थी। फिल्म में रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, सुनील, जगदीश प्रताप बंडारी और

पिता–बेटी की जोड़ी वरुण तेज की बारात में थिरकते नजर आ रहे हैं। अल्लू ने एक ब्लैक एंड व्हाइट मोनोक्रोम तस्वीर भी शेयर की, जहां वो अरहा के साथ दिल खोलकर हंस रहे हैं। दूसरे ट्वीट में, आर्य 2 एक्टर ने अल्लू अरहा की एक और प्यारी तस्वीर शेयर की। वह खुले बालों, हीरे के हार और मेकअप के साथ हाफ साड़ी कई एक्टर्स थे। यह फिल्म बहुत सफल रही, यहां तक कि इसने दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते। एक्टर अगली बार 2021 की फिल्म के अगले पार्ट पुष्पा 2 द रूल में दिखाई देंगे। रश्मिका मंदाना और फहद फासिल, जगपति बाबू, प्रकाश राज इस फिल्म में भी नजर आएंगे। अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर यह फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज का गाना इन राहों में रिलीज

बॉलीवुड फिल्मकार जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज का गाना इन राहों में रिलीज हो गया है। फिल्म द आर्चीज से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा डेब्यू करेंगे। द आर्चीज का गाना इन राहों में रिलीज हो गया है। इन राहों में को अरिजीत सिंह ने गाया है, इसे जावेद अख्तर ने लिखा है और शंकर–एहसान–लॉय ने इसे संगीतबद्ध किया है। अरिजीत सिंह ने कहा,द आर्चीज के संगीत और इन राहों में गाने पर काम करना अद्भुत रहा। जोया अख्तर, शंकर–एहसान–लॉय और जावेद अख्तर के साथ एक बार फिर काम करना, एक बहुत बढ़िया अनुभव था। गाने में हमसे से हर एक का थोड़ा–थोड़ा अंश है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। जोया अख्तर ने कहा,अरिजीत सिंह निश्चित रूप से भारतीय संगीत क्षेत्र के महान लोगों में से एक हैं। वह एक गीत को इस तरह से जीवंत करते हैं जो उनके लिए खास है। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आखिरकार हमने इस एल्बम पर सहयोग किया है और वह द आर्चीज का हिस्सा है। इन राहों में का उनकी गायकी बहुत खास और बहुत खुशनुमा है। मैं उनके फैंस द्वारा इसे सुनने का इंतजार नहीं कर सकती। द आर्चीज फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है। द आर्चीज 07 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। द आर्चीज शरद देवराजन और रीमा कागती द्वारा टाइगर बेबी और ग्राफिक इंडिया के बैनर तले बनाई गयी है।

सिकंदर खेर के 42 साल में भी शादी न करने के पीछे है ये बड़ी वजह, चिंता में हैं पापा अनुपम खेर और मम्मी किरण खेर

आर्या 3 के एक्टर सिकंदर खेर 42 साल की उम्र में भी कुंवारे हैं। उन्होंने शादी नहीं की है। वह अनुपम खेर और किरण खेर के बेटे हैं। ऐसे में उनके माता–पिता को बेटे की शादी की चिंता सताए रहती है। कई बार लोग पूछ भी चुके हैं कि सिकंदर शादी कब करेंगे लेकिन एक्टर का कहना है कि ये एक बड़ी जिम्मेदारी है। वहीं, अनुपम खेर को एक डर भी सता रहा है, वो क्या, आइए बताते हैं। दरअसल, अनुपम खेर ने बेटे सिकंदर खेर के जन्मदिन पर एक पोस्ट किया था। उसमें उन्होंने कहा था कि एक्टर जल्द से जल्द शादी कर लें। क्योंकि ये बात सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि किरण खेर भी चाहती हैं। किरण खेर के पहले पति से हुए सिकंदर ने आज तक से खास बातचीत में शादी न करने और इसमें देरी करने के पीछे की वजह बताई है। हालांकि वह अक्सर इस तरह के सवालों को तवज्जो नहीं देते। मगर, उनके साथ के सभी एक्टर्स ने शादी कर अपनी फैमिली बना ली है, तो ऐसे में अनुपम खेर को चिंता सता रही है। एक्टर ने बताया, पूछे जा चुके हैं कि अब तो मैंने स्क्रिप्ट लिखनी शुरू कर दी है और अब जवाब में यही पेश करूंगा। मेरे मम्मी–पापा इस बात को लेकर लगातार दबाव बना रहे हैं। मैं उनकी भी परेशान को समझ रहा हूं। उनको डर इस बात का है कि कहीं मैं बुढ़ापे में अकेले न रह जाऊं। मेरे साथ तब कौन होगा। लेकिन मेरा सीन थोड़ा अलग है। फिर चाहे वो प्यार हो या फिर लाइफ। मैं अलग स्वभाव का हूं। सिकंदर खेर ने बताया, शादी कोई छोटी–मोटी चीज नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसे मैं एक टास्क की तरह देखता हूं। मेरे लिए शादी एक बड़ा टास्क है। इसमें बहुत सारी जिम्मेदारियां उठानी पड़ती है। मैं इसे सिर्फ करने के लिए नहीं करना चाहता। जब तक मैं खुद श्योर न हो जाऊं। मैं किसी को धोखा नहीं देना चाहता। किसी के साथ धोखा नहीं करना चाहता हूं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा के लिए बांधे तारीफों के पुल, बताया रियल लाइफ में हैं कैसी

करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगे स्टूडेंट ऑफ द ईयर की हैंडसम जोड़ी सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन। इस शो में सिद्धार्थ वाइफ कियारा आडवाणी के बारे में बातें करने वाले हैं और बताने वाले हैं कि शादी के बाद उनकी लाइफ में क्या कुछ बदला है। इस शो में सिद्धार्थ ने कहा कि उनके और कियारा के बीच इतना प्यार है कि अब वो खुद को ज्यादा जिम्मेदार महसूस करने लगे हैं। सिद्धार्थ ने ये भी बताया कि उन्हें कियारा को लेकर सबसे अधिक रिफ्रेशिंग कौन सी बात लगती है। उन्होंने कहा कि कियारा उन्हें अपनी ही तरह फैमिली ओरिएंटेड लगती है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, मैं करीब 16 साल पहले मुंबई आया था और शुरुआत में मैं दोस्तों के साथ रहता था। मैंने कमरे और अपार्टमेंट शेयर किए और अब मेरे पास एक ऐसा है जिसे मैंने डेट किया है और जाहिर है कि हमारे बीच बहुत प्यार है। मैं अब खुद को अधिक जिम्मेदार महसूस करता हूं। मुझे ऐसा फील होता है कि मेरे पास एक और व्यक्ति है जिसका मुझे ख्याल रखना है। कियारा के बारे में सिद्धार्थ ने कहा, वह मुझे इसके लिए प्रेरित किया करती हैं कि मैं और मेहनत करूं। जो चीजें हमें बांध कर रखती हैं वो ये है कि हम दोनों फैमिली ओरिएंटेड हैं। हम दोनों की परवरिश वैसे ही है। भले ही वह मुंबई में पली–बढ़ी, लेकिन वह बहुत अलग–थलग है। इंडस्ट्री में या कैमरे के पीछे जो कुछ भी हो रहा है, उससे वह इतनी प्रभावित नहीं होती है। मुझे वो काफी पसंद है। मुझे उनमें सबसे रिफ्रेशिंग ये लगता है कि वो किसी भी प्रफेशन में हो सकती थीं। वो अपने स्टारडम को ऐसे संभालती हैं, जैसा कि मुझे पसंद है। आज भी हम एक–दूसरे के साथ समय बिताना और परिवारों से मिलना–जुलना पसंद है। मुंबई में मेरी कमी कोई फैमिली नहीं थी, लेकिन अब मैं उन्हें शुक्रिया कहता हूं। याद दिलाते चलें कि कियारा और सिद्धार्थ ने इसी साल 7 फरवरी 2023 को शादी रचाई। दोनों ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी में फैमिली और रिश्तेदारों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से कुछ गिने–चुने मेहमान भी पहुंचे थे जिनमें करण जौहर, शाहिद कपूर और जूही चावला समेत कुछ ही सितारे शामिल थे। यहां ये भी बता दें कि फिल्म शेरशाह (2021) की शूटिंग के दौरान कियारा और सिद्धार्थ ने एक–दूसरे को डेट करना शुरू किया। कियारा और सिद्धार्थ ने हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल में एक साथ मैच का लुत्फ उठाते दिखे थे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।